नई दिल्ली,

08 जनवरी, 2015

स्वामी अग्निवेश का वक्तव्य

पेरिस में फ्रेंच व्यंग्य पत्रिका चार्ली हेब्दो के कार्यालय पर मुस्लिम आतंकवादियों ने हमला करके 12 व्यक्तियों की हत्या कर दी। बंधुआ मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष और आर्य समाज के प्रमुख स्वामी अग्निवेश ने कहा है कि आतंकवाद का कोई धर्म, भाषा, जाति, वर्ण या देश नहीं होता यह कहने के बजाय हम सब लोगो को यह आत्ममंथन करना चाहिए कि जिसे हम हमारा धर्म कहकर प्रचारित करते हैं, उसका कितना हिस्सा मानवतावाद से हटकर संकीर्ण सांप्रदायिक है, कितना हिस्सा अंधविश्वास और पाखंडवाद को प्रश्रय देता है और दूसरे धर्मों की निंदा और आलोचना के रुप में हिंसात्मक विरोध को भी बढ़ावा देता है।

स्वामी अग्निवेश ने कहा कि हर तरह की हिंसा धर्म विरोधी है। जहां हिंसा है वहां धर्म नहीं है। कार्टून का विरोध कार्टून से हो। किताब का विरोध किताब लिखकर हो। सभ्य समाज में हिंसा का स्थान नहीं होना चाहिए।

स्वामी अग्निवेश ने कहा कि आतंकी हमलों से मीडिया को खामोश नहीं किया जा सकता। इस हत्याकांड का विरोध करने के लिए दुनिया भर के मीडिया को एकजुट हो जाना चाहिए क्योंकि यह मीडिया की, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है।

स्वामी अग्निवेश ने कहा कि पशु–पक्षियों से अलग मनुष्य की पहचान उसकी विचार शीलता है। विचारों की अभिव्यक्ति ईश्वर प्रदत्त आध्यात्मिक मानव अधिकार है। इस पर किसी तरह का हिंसक हमला मानव सभ्यता पर हमला है जिसकी मानव समाज के सभी जिम्मेदार लोगों द्वारा निंदा की जानी चाहिये।